



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 23 अगस्त, 2004/1 भाद्रपद, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

कुल्लू, 13 अगस्त, 2004

क्रमांक पी० सी० एच० (कु०)-स्याग-पत्र/रिक्त स्थान-1453-58-कुल्लू.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी आनी ने अपने पत्र संख्या 8/3, दिनांक 17-7-2004 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड की ग्राम पंचायत कुंगश के वार्ड संख्या 3 (पुएग) से निर्वाचित सदस्य श्रीमती कान्ता बेबी की दिनांक 10-7-2004 को मृत्यु हो जाने के कारण ग्राम पंचायत कुंगश में वार्ड-3 में सदस्या का पद रिक्त हो गया है। जिसकी पुष्टि ग्राम पंचायत कुंगश के पारित प्रस्ताव संख्या 7, दिनांक 10-7-2004 में की गई है।

अतः मैं, आर० डी० नजीम, उपायुक्त, कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (2) व (4) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ग्राम पंचायत कुंगश, विकास खण्ड आनी में वार्ड सदस्या का पद उपरोक्त दर्शाई गई दिनांक से रिक्त घोषित करता हूँ।

आर० डी० नजीम,
उपायुक्त,
कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

सोलन, 17 अगस्त, 2004

संख्या एस0 एल0 एन0-3-83 (पंच)/2004-5373.—यह कि जिला पंचायत अधिकारी सोलन को मिली लिखित सूचना अनुसार श्री महेन्द्र दत्त, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत नाहरी ने सरकारी भूमि खसरा नं0 95/12, रकबा तादादी 2 बीघा 5 बिस्वा, ग्राम पालथी में अवैध रूप में कब्जा किया है तथा श्री महेन्द्र दत्त, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत नाहरी, सोलन बहुरी में कार्यरत है। इस मामले में छानबीन तहसीलदार कसौली से करवाई गई जिसमें उन्होंने अपने पत्र संख्या प्रतिवेदन-104/03, दिनांक 7 जून, 2004 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि उपरोक्त श्री महेन्द्र दत्त, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत नाहरी, तहसील कसौली द्वारा भूमि खसरा नं0 95/12, रकबा तादादी 2 बीघा 5 बिस्वा, ग्राम पालथी में कब्जा नाजायज किया है, जिसकी मिसल उन्हें हल्का कानूनगोह पट्टा से प्राप्त हो चुकी है और तहसीलदार की उक्त रिपोर्ट अनुसार श्री महेन्द्र दत्त, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत नाहरी, सोलन बहुरी में भी कार्यरत है।

यह कि हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1)(ग) तथा 122(1)(छ) में प्रावधान है कि कोई व्यक्ति पंचायत का पदाधिकारी चुने जाने या होने के लिये निरहित होगा :—

(ग) “यदि उसने, राज्य सरकार, नगरपालिका, पंचायत या सहकारी सोसायटी की, या उस द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर ली गई या अधिग्रहित किसी भूमि का अधिक्रमण किया है, जब तक कि उस तारीख से जिसको उसे उससे बेदखल किया गया है, छः वर्ष की अवधि बीत न गई हो या वह अधिक्रान्ता न रहा हो।”

(छ) “यदि वह पंचायत या किसी स्थानीय प्राधिकरण या सहकारी सोसायटी अथवा राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार अथवा केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के नियन्त्रणाधीन किसी पब्लिक सेंक्टर उपक्रम के नियोजन या सेवा में है।”

यह कि तहसीलदार कसौली, जिला सोलन की उपरोक्त रिपोर्ट से यह स्पष्ट होता है कि श्री महेन्द्र दत्त, उप प्रधान, ग्राम पंचायत नाहरी ने सरकारी भूमि खसरा नं0 95/12, रकबा 2 बीघा 5 बिस्वा पर ग्राम पालथी में अवैध कब्जा कर रखा है तथा दो पदों पर कार्यरत है जो कि हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1)(ग) तथा 122 (1)(छ) के प्रावधान अनुसार एक पंचायत अधिकारी होने हेतु अयोग्यता है।

अतः मैं, राजेश कुमार (भा0 प्र0 से0), उपायुक्त, सोलन, जिला सोलन (हि0 प्र0) उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जो कि मुझे हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) में प्राप्त है, श्री महेन्द्र दत्त, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत नाहरी को “कारण बताओ नोटिस” देता हूँ कि क्यों न उन्हें उप-प्रधान पद पर होने के अयोग्य घोषित किया जाये। इस सम्बन्ध में उनका उत्तर इस नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर इस कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है और उनके विरुद्ध नियमानुसार एक तरफा कार्यवाही की जाएगी।

राजेश कुमार;

उपायुक्त,

सोलन, जिला सोलन (हि0 प्र0)।

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

नाहन, 11 अगस्त, 2004

सं० पी० सी० एन०-एस० एम० आर० (5) (50)-III-96-4518-28.—यह कि जिला सिरमौर की ग्राम पंचायतों के निम्नवर्णित पदाधिकारियों के त्याग-पत्र प्राप्त हुये हैं :—

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पद, वार्ड संख्या ग्राम पंचायत का नाम व विकास खण्ड का नाम	त्याग-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख	त्याग-पत्र के कारण
1.	श्री रमेश चन्द, प्रधान, ग्राम पंचायत खूड द्राबिल, विकास खण्ड संगडाह।	2-6-2004	हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 121(1)(ण) के अन्तर्गत अयोग्यता के कारण।
2.	श्रीमती गीता देवी, सदस्या, वार्ड नं० 2 राहोर, ग्राम पंचायत चाकली, विकास खण्ड नाहन।	11-6-2004	-यथा-

अतः मैं, एम० एस० नेगी, जिला पंचायत अधिकारी, जिला सिरमौर, नाहन (हि० प्र०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 तथा हि० प्र० पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1994 के नियम 135 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उपरवर्णित सभी दो पदाधिकारियों के त्याग-पत्र स्वीकार करता हूँ।

नाहन, 12 अगस्त, 2004

संख्या पी० सी० एन०-एस० एम० आर० (5) (50)-III-96-4810-48.—यह कि जिला सिरमौर की ग्राम पंचायतों के निम्नवर्णित पदाधिकारियों के त्याग-पत्र प्राप्त हुये हैं :—

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पद, वार्ड संख्या, ग्राम पंचायत का नाम व विकास खण्ड का नाम	त्याग-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख	त्याग-पत्र के कारण
1.	श्री नेत्र सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 1 नेरावना, ग्राम पंचायत गनोग, विकास खण्ड संगडाह।	30-6-2004	हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1)(ण) के अन्तर्गत अयोग्यता के कारण।
2.	श्री जीत सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 2 दाना, ग्राम पंचायत दाना पाटी, विकास खण्ड संगडाह।	29-6-2004	-यथा-

अतः म, एम० एस० नेगी, जिला पंचायत अधिकारी, जिला सिरमौर, माहून (हि० प्र०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 तथा हि० प्र० पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 135 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उपर्युक्त सभी दो पदाधिकारियों के त्याग-पत्र स्वीकार करता हूँ।

एम० एस० नेगी,
जिला पंचायत अधिकारी,
जिला सिरमौर, माहून (हि० प्र०)।